DR. ANWAR ALAM
UG HISTORY (HONS) SEM-VI
PAPER - CC - 14

Environmental Issues In India

भारत में पर्यावरण के मुद्दे

भारत में पर्यावरण के कई मुद्दे हैं। वायु प्रदुषण, जल प्रदुषण, भूमी प्रदुषण (कचरा) और प्राकृतिक पर्यावरण के प्रदुषण, संरक्षण और वनों की गुणवत्ता, जैवविविधता के नुकसान और भूक्षरण प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों में से कुछ भारत की प्रमुख समस्या हैं। पर्यावरण की समस्या की परिस्थिति 1947 से 1995 तक बहुत ही खराब थी। 1995 से 2010 के बीच विश्व बैंक के विशेषज्ञों के अध्ययन के अनुसार अपने पर्यावरण के मुद्दों को संबोधित करने और अपने पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार लाने में भारत दुनिया में सबसे तेजी से प्रगति कर रहा है। फिर भी भारत, विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के स्तर तक आने में इसी तरह के पर्यावरण की गुणवत्ता तक पहुंचने के लिए एक लंबा रास्ता तय करना है। भारतीय पर्यावरण की समस्या के मुख्य कारण इस प्रकार हैं।

प्रमुख समस्यायें :- भारत की पर्यावरणीय समस्यायों में विभिन्न प्राकृतिक खतरे विशेष रुप से चक्रवात और वार्षिक मानसून बाढ़, जनसंख्या वृद्धि, बढ़ती हुई व्यक्तिगत खपत, औद्योगीकरण, ढांचागत विकास, घटिया कृषि पद्धतियों और संसाधनों का असमान वितरण है और इनके कारण भारत के प्राकृतिक वातावरण में अत्यधिक मानवीय परिवर्तन हो रहा है। एक अनुमान के अनुसार खेती योग्य भूमि 60% भूमि कटाव, जलभराव और लवणता से ग्रस्त है। 1947 से 2002 के बीच पानी की औसत वार्षिक उपलब्धता प्रति व्यक्ति 70% कम होकर 1822 घन मीटर रह गयी है। तथा भूगर्भ जल का अत्यधिक दोहन हरियाणा, पंजाब व उत्तर प्रदेश में एक समस्या का रुप ले चुका है।

Teacher's Signature

भारत में वन क्षेत्र इसके भौगोलिक क्षेत्र का 637000 हजार वर्ग किमी है। देश भर के वनों के लगभग आधे मध्य प्रदेश (20.7%) और पूर्वोत्तर के सात प्रदेशों (25.7%) पाये जाते हैं। इनमें से पूर्वोत्तर राज्यों के वन तेजी से नष्ट हो रहे हैं वनों की कटाई इंधन के लिए लकड़ी और कृषि भूमि के विस्तार के लिए हो रही है। यह प्रचलन औद्योगिक और मोटर वाहन प्रदूषण के साथ मिलकर वातावरण का तापमान बढ़ा देता है। जिसकी वजह है वर्षण का स्वरुप बदल जाता है जिसकी वजह अकाल की स्थिति पैदा हो जाती है।

पार्वती स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुमान है कि तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि सालाना गेहूँ की पैदावार में 15 से 20% की कमी कर देगी। एक ऐसे राष्ट्र के लिए जिसकी आबादी का बहुत बड़ा भाग मूलभूत स्त्रोतों की उत्पादकता पर निर्भर रहता हो और जिसका आर्थिक विकास बड़े पैमाने पर औद्योगिक विकास पर निर्भर हो ये बहुत बड़ी समस्या है। धर्वी और पूर्वोत्तर राज्यों में हो रहे नागरिक संघर्ष में प्राकृतिक संसाधनों के मुद्दे शामिल हैं।

वायु प्रदूषण, कचरे का प्रबंधन, पानी की कमी, गिरते भूजल टेबल, जल प्रदूषण, संरक्षण और वनों की गुणवत्ता, जैव विविधता के नुकसान और भूमि, मिट्टी का क्षरण प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों में से कुछ भारत की प्रमुख समस्या है। भारत की जनसंख्या वृद्धि पर्यावरण के मुद्दों और अपने संसाधनों के लिए दबाव समस्या बनाते हैं।

जल प्रदूषण (WATER POLUTION):— भारत में 3119 शहरों व कस्बों में से 209 में आंशिक रूप से तथा केवल 8 में मलजल पूर्ण रूप से उपचारित करने की सुविधा है। 119 शहरों में अनुपचारित नाली का पानी तथा दाह संस्कार के बाद अधजले

Teacher's Signature.....

शरीर सीधे ही गंगा नदी में बहा दिये जाते हैं। अनुपचारित पानी को पीने, नहाने और कपड़े धोने के लिए प्रयोग किया जाता है। भारत में खुले में शौच काफी आम है यहाँ तक की शहरी क्षेत्रों में भी।

नदियों की गन्दगी जल प्रदूषण का एक बड़ा कारण है। आज का मनुष्य नदियों को प्रदुषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। चाहे वह कावेरी नदी हो, नर्मदा नदी हो, पंजाब की बुड्ढा नुल्ला नदी हो या मुंबई नगर की मिठी नदी हो सब अत्यधिक प्रदूषित हैं। अगर गंगा नदी की बात की जाये तो वह रासायनिक कचरे, नाली का पानी और मानव व पशुओं की लाशों के अवशेषों से भरी हुई है। उसी नदी में नियमित रुप से 2,000,000 लोग स्नान करते हैं जबकि इसमें नहाना और इसका जल पीना प्रत्यक्ष रुप से खतरनाक है और इससे संक्रमण का बड़ा खतरा है। वहीं यमुना नदी को 'काले कीचड़ की बदबूदार पट्टी' कहा गया है।

वायु प्रदूषण AIR POLUTION:— भारतीय शहर वाहनों और उद्योगों के उत्सर्जन से प्रदूषित हैं। भारत में वायु प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण परिवहन की व्यवस्था है। लाखों पुराने डीजल इंजन व यूरोपीय डीजल जिसमें 150 से 190 गुणा अधिक गंधक होता है वायु प्रदूषण का अहम कारण है। बड़े शहरों में वायु प्रदूषण इस कदर बढ़ रहा है कि अब यह विश्व स्वास्थ संगठन (WHO) द्वारा दिए गए मानक से लगभग 2·3 गुना तक हो चूका है।

ध्वनि प्रदूषण (SOUND POLUTION) (NOISE):— भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ध्वनि प्रदूषण पर एक महत्वपूर्ण कानून है। वाहनों के हार्न की आवाज शहरों में शोर के डेसिबिल स्तर को अनावश्यक रुप से बढ़ा देती है। राजनैतिक कारणों से

Teacher's Signature.....

तथा मंदिरों व मस्जिदों में लाउडस्पीकर का प्रयोग रिहायशी इलाकों में ध्वनि प्रदूषण के स्तर को बढ़ाता है।

भूमि प्रदूषण Ground Polution :— भारत में भूमि प्रदूषण कीटनाशकों और उर्वरकों के साथ-साथ क्षरण की वजह से हो रहा है। मार्च 2009 में पंजाब यूरेनियम विषाक्तता का मामला प्रकाश में आया, इसका कारण ताप विद्युत गृहों द्वारा बनाये गए राख के तालाब थे। इन से पंजाब के फरीदकोट तथा भटिंडा जिलों में बच्चों में गंभीर जन्मजात विकार पाए गए।

जनसंख्या वृद्धि और पर्यावरण की गुणवत्ता :—
POPULATION GROWTH AND ENVIRONMENTAL QUALILTY :—

जनसंख्या वृद्धि और पर्यावरण के बीच समस्याओं का एक लम्बा सिलसिला है। बढ़ती हुई जनसंख्या पर्यावरण क्षरण का शिकार हो रही है। और विशेष कर गरीब को अपनी भूमि के संबंध में अधिक समस्या झेलनी पड़ रही है। कृषि योग्य भूमि पर पर्यावरण का अधिक प्रभाव पड़ रहा है। नतिजा यह हो रहा है कि पर्यावरण क्षरण कृषि पैदावार और खाद्य पदार्थों की उपलब्धता को कम कर दे रही है। जिससे अकाल की स्थिति पैदा हो जाती है। और मृत्यु दर में भी वृद्धि देखने को मिलती है।

पर्यावरण की समस्या और भारतीय कानून :—
ENVIRONMENTAL PROBLEM AND INDIAN ENVIRONMENTAL LAW :—

1980 के दशक के बाद भारत का सर्वोच्च न्यायालय भारत के पर्यावरण के मुद्दे को हल करने में लगा हुआ है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस संबंध में बहुत सारे कानून बनाये हैं। ताकि पर्यावरण की बेहतर ढंग से रक्षा की जा सके।

—x—

Teacher's Signature